भवानन्द-कृत

कारकचक्र

एक अध्ययन

[व्याकरणशास्त्र एवं नव्यन्याय के आलोक में]

अरविन्दकुमार

BHAVĀNANDA'S KĀRAKACAKRA

A STUDY

(IN THE LIGHT OF SANSKRIT GRAMMAR AND THE PHILOSOPHY OF NAVYA-NYĀYA)

Scanned by TapScanner

विषयानुक्रमणिका

पुरोवाक् VII—IX

आमुख XI—XVI

सङ्क्षेपिका XVII—XX

विषयानुक्रमणिका

प्रथम परिच्छेद : भवानन्द सिद्धान्तवागीश : जीवनवृत्त व कृतियाँ १—१८

द्वितीय परिच्छेद : कारक-लक्षण १९—२९

तृतीय परिच्छेद : 'कर्त्तृ' कारक ३०—५६

चतुर्थ परिच्छेद : 'कर्म' कारक ५७—१०४

पञ्चम परिच्छेद : 'करण' कारक १०५—१४२

षष्ठ परिच्छेद : 'सम्प्रदान' कारक १४३—१६८

सप्तम परिच्छेद : 'अपादान' कारक १६९—२१२

अष्टम परिच्छेद : 'अधिकरण' कारक २१३—२४९

उपसंहार २५०—२५९

सहायक-ग्रन्थ-सूची २६०—२६९

परिशिष्ट-१ : ग्रन्थ में उद्धृत पाणिनीय सूत्र २७०—२७१

परिशिष्ट-२ : ग्रन्थ में उद्धृत वार्त्तिक २७२—

शब्द-सूची २७३—

शुद्धि-पत्र

Scanned by TapScanner